

ए बात म सहमती हवय कए पहिली चिट्ठी यूहन्ना के दुवारा लिखे गे हवय, जऊन ह यीसू के चेला रहिसि। ए पहिली चिट्ठी ला लिखे के खास दू उद्देश्य रहिसि। पहिली—ए चिट्ठी के पढ़इयामन ला उत्साहित करना कि ओमन परमेसर अऊ ओकर बेटा यीसू मसीह के संगति म जनिगी बतावय। दूसरा—ए चिट्ठी के पढ़इयामन ला लबरा सकिछा के बरिध म चेताना, जऊन ह परमेसर अऊ यीसू मसीह के संग ओमन के संगति ला नास करथे। ए लबरा सकिछा के आधार ए रहिसि कि जम्मो बुरई संसार के संग मेल-जोल करे ले आथे, एकरसेता यीसू, परमेसर के बेटा ह एक मनखे नई हो सकय। ए गुरूमन सखिवत रहिन कि उद्धार पाय बर मनखे ला, ए संसारकि जनिगी ले अलग होना पड़ही। ओमन ए बात घलो सखिवत रहिन कि सुघर चाल-चलन या भाई ले मया करई ले उद्धार के कोनो लेना-देना नई ए। ए सकिछा के बरिध म, ए चिट्ठी के लिखइया ह साफ कहथि कि यीसू मसीह ह सही म एक मनखे रहिसि। ओह ए बात म घलो जोर देथे कि जऊन मन यीसू मसीह ऊपर बसिवास करथें अऊ परमेसर ले मया करथें, ओमन अपन पड़ोसी ले घलो जरूर मया करय।

ए चिट्ठी ला खाल्हे लिखे भाग म बांटे जा सकथे।

भूमिका 1:1-4

अंजोर अऊ अंधियार 1:5-2:29

परमेसर के संतान अऊ सैतान के संतान 3

सत अऊ लबरा अगमजानी 4:1-6

मया के जबाबदारी 4:7-21

बजियी बसिवास 5

जनिगी देवइया बचन

1 जनिगी के ओ बचन, जऊन ह संसार के रचे के पहिली ले रहिसि; ओला हमन सुने हवन; ओला हमन अपन आंखी ले देखे हवन, ओला धियान लगाके देखे हवन अऊ

हमर हांथ ले छुए हवन—ओहीच जनिगी के बचन के बारे म, हमन तुमन ला बतावत हन। 2ए जनिगी ह परगट होईस, अऊ हमन ओला देखे हवन अऊ ओकर गवाही देथन, अऊ हमन तुमन ला, ओ सदाकाल के जनिगी के बारे म बतावत हन, जऊन ह ददा के संग रहिसि अऊ हमर करा परगट होईस। 3जऊन ला हमन देखे हवन अऊ सुने हवन, ओकरे बारे म हमन तुमन ला बतावत हन, ताकि तुमन ला घलो हमर संग संगति मिलिय। अऊ हमर संगति ह ददा के संग अऊ ओकर बेटा यीसू मसीह के संग हवय। 4ए बातमन ला हमन एकरसेता लिखित हवन, ताकि हमर आनंद ह पूरा हो जावय।

अंजोर म रेंगई

5ओ सदेस जऊन ला हमन ओकर बेटा यीसू ले सुने हवन अऊ तुमन ला सुनावत हवन; ओह ए अय—परमेसर ह अंजोर अय; अऊ ओम कुछू घलो अंधियार नई ए। 6कहूं हमन ए कहन कि हमर संगति ओकर संग हवय अऊ हमन अंधियार म चलथन, तब हमन लबारी मारथन, अऊ सच के मुताबकि नई चलन। 7पर कहूं हमन अंजोर म चलथन, जइसने परमेसर ह अंजोर म हवय, त हमर संगति एक-दूसर के संग हवय, अऊ ओकर बेटा यीसू के लहू ह हमन ला जम्मो पाप ले सुध करथे।

8कहूं हमन कहथिन कि हमन म कुछू पाप नई ए, त हमन अपन-आप ला धोखा देथन अऊ हमन म सत नई ए। 9कहूं हमन अपन पापमन ला मान लेथन, त परमेसर ह हमर पाप ला छेमा करही अऊ हमन ला जम्मो अधरम ले सुध करही, काबरकि ओह बसिवास लइक अऊ धरमी अय। 10कहूं हमन ए कहथिन कि हमन पाप नई करे हवन, त हमन ओला लबरा ठहराथन, अऊ ओकर बचन ह हमन म नई ए।

2 हे मोर मयारू लइकामन हो, मेंह ए बात तुमन ला एकरसेता लिखित हव, ताकि तुमन पाप झन करव। पर कहूं कोनो पाप करथे, त हमर करा एक झन हवय, जऊन

ह हमर बचाव म परमेसर ददा ले गोठयिथे, अऊ ओ धरमी जन ह यीसू मसीह अय। 2अऊ ओहीच ह हमर पाप खातरि पछतावा के बलदान ए, अऊ सरिपि हमर पाप ही नई, पर जम्मो संसार के पाप बर घलो।

3कहूँ हमन ओकर हुकूमन ला मानथन, त एकर दुवारा हमन ला भरोसा हो जाही कि हमन ह ओला जानथन। 4जऊन मनखे ह ए कहथि, “मेंह ओला जानथंव।” पर ओकर हुकूमन ला नई मानय, त ओह लबरा अय, अऊ ओम सत नई ए। 5पर जऊन ह ओकर बचन ला मानथे, त सही म परमेसर के मया ह ओम पूरा होथे। ए किसिम ले, हमन जानथन कि हमन परमेसर म हवन। 6जऊन मनखे ह ए कहथि कि ओह परमेसर म होके जनिगी बताथे, त ओला अइसने जनिगी जीना चाही, जइसने यीसू ह ए संसार म रहत, जनिगी बताईस।

परमेसर के हुकूम

7हे मयारू भाईमन हो, मेंह तुमन ला कोनो नवां हुकूम नई लिखित हंव, पर ओहीच जुन्ना हुकूम, जऊन ह तुमन ला सुरू ले मलि हवय। ए जुन्ना हुकूम ओ संदेस अय, जऊन ला तुमन सुने हवव। 8तभो ले मेंह तुमन ला एक नवां हुकूम लिखित हंव। एकर सचूचई ह ओम अऊ तुमन म दिखथे, काबरका अंधियार ह छंटत जावथे, अऊ सच के अंजोर ह अब चमकत हवय।

9जऊन ह ए कहथि कि ओह अंजोर म हवय अऊ अपन भाई ले बईरता रखथे, त ओह अभी तक ले अंधियार म हवय। 10जऊन ह अपन भाई ले मया करथे, ओह अंजोर म चलथे, अऊ ओम अइसने कुछ नई ए, जऊन ह ओला ठोकर खवाही। 11फेर जऊन ह अपन भाई ले बईरता रखथे, ओह अंधियार म हवय, अऊ अंधियार म रेंगथे अऊ ओह नई जानय कि ओह कहां जावत हवय, काबरका अंधियार ह ओकर आंखीमन ला अंधरा कर दे हवय।

12हे मोर लइकामन हो, मेंह तुमन ला लिखित हंव,

काबरका तुम्हर पाप ह मसीह के नांव खातरि छेमा हो गे हवय।

13हे ददामन हो, मेंह तुमन ला लिखित हंव, काबरका तुमन ओला जानथव, जऊन ह सुरूच ले हवय।

हे जवानमन हो, मेंह तुमन ला लिखित हंव,

काबरका तुमन ओ दुस्ट ऊपर जय पाय हवव।

हे मोर लइकामन हो, मेंह तुमन ला लिखित हंव,

काबरका तुमन ददा परमेसर ला जानथव।

14हे ददामन हो, मेंह तुमन ला लिखित हंव, काबरका तुमन ओला जानथव, जऊन ह संसार के रचे के पहिली ले हवय।

हे जवानमन हो, मेंह तुमन ला लिखित हंव,

काबरका तुमन मजबूत हवव,

अऊ परमेसर के बचन ह तुमन म बने रहथि,

अऊ तुमन ओ दुस्ट ऊपर जय पाय हवव।

संसार ले मया झन करव

15तुमन न तो संसार ले अऊ न संसार के कोनो चीज ले मया करव। कहूँ कोनो संसार ले मया करथे, त ओह परमेसर ददा ले मया नई करय। 16काबरका संसार के हर एक चीज जइसने कि—पापी मनखे के लालसा, आंखी के लालसा अऊ जनिगी के घमंड—ए जम्मो चीज परमेसर ददा के नो हय, पर एह संसार के अय। 17संसार अऊ एकर लालसा ह खतम हो जाही, पर जऊन मनखे ह परमेसर के मनसा ला पूरा करथे, ओह सदाकाल तक परमेसर के संग रहिही।

मसीह के बरिधीमन के बारे म चेतउनी

18हे मोर लइकामन हो, एह अंत के बेरा अय; अऊ जइसने कि तुमन सुने हवव कि मसीह के बरिधी ह आवत हवय; पर अब

मसीह के कतको बरिधीमन आ गे हवय। एकरसेती, हमन जानथन की एह अंत के बेरा अय। 19ओमन हमन ले नकिरके गीन, पर ओमन सही म हमन के नो हंय। काबरकी यदी ओमन हमर बीच के होतनि, त ओमन हमर संग बने रहतिनि; पर ओमन के चले जाना, ए साबति करथे की ओम ले कोनो हमन के नो हंय।

20पर तुमहर अभसिक पबतिर जन के दुवारा करे गे हवय, अऊ तुमन जम्मो झन सच ला जानथव। 21मेंह तुमन ला एकरसेती नई लिखित हंव की तुमन सच ला नई जानव, पर मेंह एकरसेती लिखित हंव की तुमन सच ला जानथव, अऊ ए घलो जानथव की कोनो लबारी बात सत के तरफ ले नई आवय। 22कोन ह लबरा ए? ओ मनखे, जऊन ह यीसू ला मसीह नई मानय। अइसने मनखे ह मसीह के बरिधी अय। ओह ददा अऊ बेटा दूनों के इनकार करथे। 23जऊन ह परमेसर के बेटा के इनकार करथे, ओह परमेसर ददा ला नई जानय, अऊ जऊन ह बेटा ला मान लेथे, ओह परमेसर ददा ला घलो जानथे।

24देखव, जऊन कुछू तुमन सुरू ले सुने हवव, ओह तुमन म बने रहय। कहूं ओह तुमन म बने रहहिी, त तुमन घलो बेटा अऊ ददा दूनों म बने रहहि। 25अऊ ओह हमर ले जऊन बात के वायदा करे हवय—ओह “परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी” अय।

26मेंह ए बात तुमन ला ओमन के बारे म लिखित हंव, जऊन मन तुमन ला धोखा देय के कोसिस करथें। 27पर ओ अभसिक, जऊन ला तुमन ओकर ले पाय हवव, ओह तुमन म बने रहथि, अऊ तुमन ला एकर जरूरत नई ए की कोनो तुमन ला सखिओवय। मसीह के अभसिक ह तुमन ला जम्मो बात सखिओथे, अऊ ओ अभसिक ह सही अय, लबारी नो हय। जइसने एह तुमन ला सखिओ हवय, वइसने तुमन ओम बने रहव।

28अब हे मोर लइकामन हो, मसीह म बने रहव, ताकी जब ओह परगट होवय, त ओकर आय के बेरा ओकर आघू म, हमन

बसिवास ले भरे रहन अऊ हमन ला लजाय ला झन पड़य।

29कहूं तुमन जानथव की ओह धरमी अय, त तुमन ए घलो जानथव की जऊन ह भलाई के काम करथे, ओह परमेसर ले जनमे हवय।

परमेसर के संतान

3 देखव, परमेसर ददा ह हमन ला कतेक मया करे हवय की हमन परमेसर के संतान कहाथन, अऊ सही म हमन परमेसर के संतान अन। संसार ह एकरसेती हमन ला नई जानय, काबरकी ओह परमेसर ला नई जानसि। 2हे संगवारीमन हो, अब हमन परमेसर के संतान अन अऊ अभी तक ले, ए पता नई चले हवय की हमन का बनबो। पर हमन ए जानथन की जब मसीह ह परगट होही, त हमन घलो ओकर सही बन जाबो, काबरकी हमन ओला वइसनेच देखबो, जइसने ओह हवय। 3हर एक मनखे, जऊन ह मसीह ऊपर ए आसा रखथे, ओह अपन-आप ला वइसने सुध करथे, जइसने मसीह ह सुध हवय।

4हर एक मनखे, जऊन ह पाप करथे, ओह परमेसर के कानून ला टोरथे; काबरकी पाप करे के मतलब परमेसर के कानून टोरना अय। 5पर तुमन जानथव की मसीह ह एकरसेती परगट होईस, ताकी ओह हमर पापमन ला ले जावय। अऊ ओम कोनो पाप नई ए। 6जऊन मनखे मसीह म जीयथे, ओह पाप करते नई रहय, पर जऊन मनखे ह पाप करथे, ओह न तो ओला देखे हवय, अऊ न ही ओला जानथे।

7हे लइकामन हो, काकरो बहकावा म झन आवव। जऊन ह परमेसर के नजर म सही काम करथे, ओह धरमी अय, जइसने की मसीह ह धरमी अय। 8जऊन ह पाप करते रहथि, ओह सैतान कोती ले अय, काबरकी सैतान ह सुरूच ले पाप करत आय हवय। परमेसर के बेटा ह एकरसेती परगट होईस की ओह सैतान के काम ला नास करय। 9जऊन ह परमेसर ले जनमथे, ओह पाप करते नई रहय, काबरकी परमेसर के सुभाव

ओम बने रहथि। ओह पाप नई कर सकय, काबरका ओह परमेसर ले जनमे हवय। 10ए कसिम ले, हमन जानथन कि कोन ह परमेसर के संतान अय अऊ कोन ह सैतान के संतान अय। जऊन ह सही काम नई करय, ओह परमेसर के संतान नो हय; अऊ ओह घलो परमेसर के संतान नो हय, जऊन ह अपन भाई ले मया नई करय।

एक-दूसर ला मया करव

11ओ संदेस, जऊन ला तुमन सुरूच ले सुने हवव, ओह ए अय का हमन एक-दूसर ले मया करन। 12हमन कैन के सही झन बनन, जऊन ह दुस्ट जन के तरफ ले रहिसि अऊ अपन भाई ला मार डारिसि। अऊ ओह ओला काबर मार डारिसि? काबरका ओकर अपन के काममन खराप रहिनि, अऊ ओकर भाई के काममन परमेसर के नजर म सही रहिनि। 13हे भाईमन हो, कहूं संसार के मनखेमन तुम्हर ले बईरता रखथें, त अचरज झन करव। 14हमन जानथन का हमन मरितू ले पार होके जनिगी म आ गे हवन, काबरका हमन अपन भाईमन ला मया करथन। जऊन ह मया नई करय, ओह मरितू म बने रहथि। 15जऊन ह अपन भाई ले बईरता रखथे, ओह हतियारा अय, अऊ तुमन जानथव का कोनो हतियारा करा परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी नई रहय।

16मया के मतलब ला हमन अइसने जानथन: यीसू मसीह ह हमर खातरि अपन जनिगी ला दे दीस। अऊ हमन ला घलो अपन भाईमन खातरि अपन जनिगी ला देना चाही। 17यदा काकरो करा संसार के संपत्ति हवय अऊ ओह देखथे का ओकर भाई ला कोनो चीज के जरूरत हवय, पर ओकर ऊपर दया नई करय, त परमेसर के मया ओम नई रह सकय। 18हे लइकामन हो, आवव, हमन सरिपि अपन गोठ अऊ मुहूं ले ही मया नई करन, पर अपन काम अऊ सत के दुवारा घलो मया करन। 19एकर दुवारा हमन जानबो का हमन सत म हवन अऊ परमेसर के आधू म हमर हरिदय ला भरोसा होही, 20चाहे जब

भी हमर हरिदय ह हमन ला दोसी ठहरियाय। काबरका परमेसर ह हमर हरिदय ले बड़े अय अऊ ओह हर एक बात ला जानथे।

21हे संगवारीमन हो, यदा हमर हरिदय ह हमन ला दोसी नई ठहरियाय, त हमन ला परमेसर के आधू म भरोसा होथे, 22अऊ जऊन कुछ घलो हमन ओकर ले मांगथन, ओह हमन ला देथे, काबरका हमन ओकर हुकूम ला मानथन अऊ ओहीच काम करथन, जेकर ले ओला खुसी होथे। 23अऊ परमेसर के हुकूम ए अय का हमन ओकर बेटा यीसू मसीह के नांव म बसिवास करन, अऊ एक-दूसर ला मया करन, जइसने का ओह हमन ला हुकूम दे हवय। 24जऊन मन परमेसर के हुकूम ला मानथें, ओमन परमेसर म अऊ परमेसर ह ओमन म बने रहथिं अऊ ए कसिम ले, हमन जानथन का ओह हमन म रहथिं। हमन एला ओ पबतिर आतमा के दुवारा जानथन, जऊन ला ओह हमन ला दे हवय।

आतमामन ला परखव

4 हे संगवारीमन हो, हर एक आतमा ऊपर बसिवास झन करव, पर आतमामन ला परखव का ओमन परमेसर कोतलि अंय का नई, काबरका कतको लबरा अगमजानीमन संसार म नकिर आय हवय। 2परमेसर के आतमा ला तुमन ए कसिम ले पहिचान सकत हव: हर ओ मनखे जऊन ह मान लेथे का यीसू मसीह ह देहें धारन करके आईस, ओम परमेसर के आतमा हवय; 3पर हर ओ मनखे जऊन ह यीसू ला नई मानय, ओम परमेसर के आतमा नई ए। एह ओ मनखे ए, जऊन म मसीह के बरोधी के आतमा हवय, जेकर बारे म तुमन सुने हवव का ओह अवइया हवय, अऊ अब ओह संसार म आ चुके हवय।

4हे मोर लइकामन हो, तुमन परमेसर के अव अऊ तुमन ए लबरा अगमजानीमन ऊपर जय पाय हवव, काबरका जऊन ह तुमन म हवय, ओह ओकर ले बड़े अय, जऊन ह संसार म हवय। 5ओमन संसार के अंय, अऊ एकरसेता ओमन संसार के गोठ गोठियाथें,

अऊ संसार ह ओमन के सुनथे। 6हमन परमेसर के अन। जऊन ह परमेसर ला जानथे, ओह हमर सुनथे, अऊ जऊन ह परमेसर के नो हय, ओह हमर बात ला नई सुनय। ए कसिम ले हमन मनखेमन के पहिचान करथन कि काकर करा सत के आतमा हवय अऊ काकर करा लबारी आतमा हवय।

परमेसर के मया अऊ हमर मया

7हे संगवारीमन हो, हमन एक-दूसर ले मया करन, काबरकमिया ह परमेसर करा ले आथे। जऊन ह मया करथे, ओह परमेसर ले जनमे हवय, अऊ ओह परमेसर ला जानथे। 8जऊन ह मया नई करय, ओह परमेसर ला नई जानय, काबरकि परमेसर ह मया अय। 9परमेसर ह ए कसिम ले अपन मया ला हमर बीच म परगट करसि: ओह अपन एकलऊता बेटा ला ए संसार म पठोईस, ताकि हमन ला ओकर दुवारा सदाकाल के जनिगी मलिय। 10मया एम नई अय कि हमन परमेसर ले मया करेन, पर मया एम हवय कि परमेसर ह हमर ले मया करसि, अऊ अपन बेटा ला पठोईस कि ओह क्रुस म मरे के दुवारा हमर पाप के सजा ला अपन ऊपर ले लेवय। 11हे संगवारीमन हो, जब परमेसर ह हमर ले अइसने मया करसि, त हमन ला घलो एक-दूसर ले मया करना चाही। 12परमेसर ला कभू कोनो नई देखे हवय; पर यदा हमन एक-दूसर ले मया करन, त परमेसर ह हमन म रहथि अऊ ओकर मया ह हमन म पूरा हो जाथे।

13हमन जानथन कि हमन परमेसर म रहथिन अऊ ओह हमन म, काबरकि ओह अपन आतमा हमन ला दे हवय। 14अऊ हमन देखे घलो डारेन अऊ गवाही देवत हन कि परमेसर ददा ह अपन बेटा ला संसार के उद्धार करइया के रूप म पठोय हवय। 15कहू कोनो ए मान लेथे कि यीसू ह परमेसर के बेटा अय, त परमेसर ह ओम रहथि अऊ ओह परमेसर म। 16अऊ हमन जानथन अऊ बसिवास करथन कि परमेसर ह हमन ला मया करथे।

परमेसर ह मया अय। जऊन ह मया करते रहथि, ओह परमेसर म बने रहथि अऊ परमेसर ह ओम। 17मया ला हमर बीच म पूरा करे गीस, ताकि हमन ला नयाय के दिन भरोसा होवय कि ए संसार म हमन वइसने जनिगी जीये हवन, जइसने यीसू ह जीये रहिसि। 18मया म डर नई होवय। पर सही के मया ह डर ला नकार देथे, काबरकि डर के संबंध, सजा के संग होथे। जऊन ह डरथे, ओम सही के मया नई ए।

19हमन एकरसेता मया करथन, काबरकि पहिली परमेसर ह हमर ले मया करसि। 20कहू कोनो ए कहथि, “मेंह परमेसर ले मया करथं,” अऊ ओह अपन भाई ले बईरता रखथे, त ओह लबरा अय। काबरकि जऊन ह अपन ओ भाई ले मया नई करय, जऊन ला ओह देखे हवय, त ओह परमेसर ले मया नई कर सकय, जऊन ला ओह देखे नई हवय। 21अऊ परमेसर ह हमन ला, ए हुकूम दे हवय: जऊन ह परमेसर ले मया करथे, ओला अपन भाई ले घलो मया करना जरूरी अय।

परमेसर के बेटा ऊपर बसिवास

5 जऊन ह ए बसिवास करथे कि यीसू ह मसीह अय, ओह परमेसर के लइका अय, अऊ जऊन ह परमेसर ददा ले मया करथे, ओह ओकर लइका ले घलो मया करथे। 2जब हमन परमेसर ले मया करथन अऊ ओकर हुकूम ला मानथन, त एकर ले हमन जानथन कि हमन परमेसर के लइकामन ले घलो मया करथन। 3परमेसर बर हमर मया ए अय कि हमन ओकर हुकूमन ला मानन। अऊ ओकर हुकूमन ला मानना कठनि नो हय। 4काबरकि जऊन ह परमेसर ले जनमथे, ओह संसार ऊपर जय पाथे; हमन यीसू मसीह ऊपर बसिवास करे के दुवारा संसार ऊपर जय पाथन। 5संसार ऊपर कोन ह जय पाथे? सरिपि ओहीच, जऊन ह ए बसिवास करथे कि यीसू ह परमेसर के बेटा अय।

6यीसू मसीह ह ओ अय, जऊन ह पानी अऊ लहू के दुवारा आईस। ओह सरिपि पानी के दुवारा ही नई आईस, पर पानी अऊ

लहू दूनों के दुवारा आईस। अऊ ए पबतिर आतमा अय, जऊन ह एकर बारे म गवाही देथे, काबरक पबतिर आतमा ह सत अय। 7 गवाही देवइयामन तीन हवय: 8 पबतिर आतमा, पानी अऊ लहू; अऊ ए तीनों म सहमती हवय। 9 हमन मनखेमन के गवाही ला मान लेथन, पर परमेसर के गवाही त, ओकर ले बढ के अय; काबरका परमेसर के गवाही ए अय कि ओह अपन बेटा के बारे म गवाही दे हवय। 10 जऊन ह परमेसर के बेटा के ऊपर बसिवास करथे, ओह अपन हरिदय म ए गवाही रखथे। जऊन ह परमेसर ऊपर बसिवास नई करय; ओह परमेसर ला लबरा बनाथे, काबरका ओह ओ गवाही ऊपर बसिवास नई करसि, जऊन ला परमेसर ह अपन बेटा के बारे म दे हवय। 11 अऊ ओ गवाही ए अय: परमेसर ह हमन ला सदाकाल के जनिगी दे हवय, अऊ ए जनिगी ओकर बेटा म हवय। 12 जेकर करा परमेसर के बेटा हवय; ओकर करा जनिगी हवय; अऊ जेकर करा परमेसर के बेटा नई ए, ओकर करा जनिगी घलो नई ए।

सदाकाल के जनिगी

13 मेंह तुमन ला, जऊन मन परमेसर के बेटा ऊपर बसिवास करथव, ए बात लिखत हंव, ताकि तुमन जानव कि तुम्हर करा परमेसर के संग सदाकाल के जनिगी हवय। 14 हमन ला परमेसर ऊपर ए बसिवास हवय कि यदि हमन ओकर मन मुताबकि कुछू मांगथन, त ओह हमर सुनथे। 15 अऊ जब हमन जानथन कि जऊन कुछू हमन मांगथन, ओह हमर सुनथे, तब हमन ए घलो जानथन कि जऊन

कुछू हमन ओकर ले मांगे हवन, ओ चीज हमन ला मलि गे हवय।

16 यदि कोनो अपन भाई ला ओ पाप करत देखथे, जेकर नतीजा मरितू नो हय, त ओह पराथना करय अऊ परमेसर ह ओला जनिगी दहि। मेंह ओमन के बारे म कहत हवंव, जऊन मन ओ पाप करथे, जेकर नतीजा मरितू नो हय। एक अइसने पाप घलो हवय, जेकर नतीजा मरितू होथे। मेंह ए नई कहत हंव कि ओह ओकर बारे म पराथना करय। 17 जम्मो गलत काम ह पाप अय, पर अइसने पाप घलो हवय, जेकर नतीजा मरितू नो हय।

18 हमन जानथन कि जऊन ह परमेसर ले जनमे हवय, ओह पाप करतेच नई रहय; परमेसर के बेटा ह ओकर बचाव करथे, अऊ दुस्ट जन ह ओला छू नई सकय। 19 हमन जानथन कि हमन परमेसर के लइका अन, अऊ जम्मो संसार ह ओ दुस्ट के अधीन म हवय। 20 हमन ए घलो जानथन कि परमेसर के बेटा ह आ गे हवय, अऊ ओह हमन ला ए समझ दे हवय कि हमन ओला चनिहे सकन, जऊन ह सत ए। अऊ हमन ओम हवन, जऊन ह सत अय, याने कि ओकर बेटा यीसू मसीह। एहीच ह सच्चा परमेसर अऊ सदाकाल के जनिगी अय।

21 हे मोर लइकामन हो, अपन-आप ला मूरतीमन ले बचाय रखव।

a 17 पद 16-17 म “मरितू” के मतलब सदाकाल के दंड या परमेसर ले सदाकाल के अलगाव ए।